सूर्यास्त 07:26 | सूर्योदय 05:24
तापमान
अधिकतम 41° | न्यूनतम 31°

राष्ट्रीय हिन्दी/साप्ताहिक

हिन्दुस्तान एकता

वर्ष: 07 | अंक: 15 | पृष्ठ: 04 | मूल्य: ₹1.00

info@hindustanekta.com
कैथल, वीरवार 18 जून, 2026
RNI-HRHIN/26/A1127

आपकी आवाज हमारी ताकत

आप कोई सामाजिक, धार्मिक आयोजन, प्रेस कॉन्फ्रेंस या किसी संस्था से जुड़ी कोई खबर, खुला नाला है, पानी से भरा गड्ढा है, रोड टूटी या गड्ढे हैं, हादसे का खतरा है इत्यादि खबरें हमारे साथ साझा करना चाहते हैं तो अब दूर नहीं। आपको केवल खबर और खबर से जुड़े चुनिंदा दो फोटो कैप्शन के साथ भेजना होगा। आपकी खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

ऐसे भेजे
वॉट्सएप कर सकते हैं
9499422208
हमें QR स्कैन कर वेबसाइट पर भी भेज सकते हैं

योगमय हुआ हरियाणा विधान सभा परिसर...

चंडीगढ़ » 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को हरियाणा विधान सभा परिसर में योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने की, जबकि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, मंत्री, विधायक, वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया। हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डॉ. जयदीप आर्य और उनकी टीम ने योग प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि योग भारत की प्राचीन धरोहर है, जो शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का माध्यम है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि योग स्वस्थ और अनुशासित जीवन की संपूर्ण पद्धति है तथा प्रदेश सरकार 'योग युक्त-नशा मुक्त' अभियान के माध्यम से इसे जन-जन तक पहुंचा रही है। उन्होंने बताया कि राज्य के 883 गांवों में व्यायामशालाएं और 397 आयुष औषधालय संचालित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम भगवंत मान पर गहराया नैतिक संकट

बीजेपी ने की इस्तीफे की मांग तेज

हिन्दुस्तान एकता » चंडीगढ़

बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद तरुण चुघ ने बुधवार को कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अपने पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार खो दिया है। यह बात सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था, श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा एक विवादित वीडियो पर दिए गए फैसले के बाद कही गई है; इस वीडियो में कथित तौर पर सिख धर्म की सम्मानित हस्तियों और भावनाओं का अनादर किया गया है।

चुघ ने याद दिलाया कि जब कई महीने पहले यह वीडियो पहली बार सामने आया था, तो मान ने इसे बनावटी बताते हुए खारिज कर दिया था और दावा किया था कि इसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके बनाया गया है। वह श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार के सामने पेश हुए और चुनौती दी कि किसी सक्षम एजेंसी से इस वीडियो की जांच कराई जाए, क्योंकि यह नकली है। चुघ के अनुसार, इस तरह मान ने अपनी विश्वसनीयता को उस जांच के नतीजे पर टिका दिया था।

15 जून को पंथिक हस्तियों, संस्थाओं और सिख संगठनों के साथ हुई बातचीत में सारी सच्चाई सामने आ गई। चुघ ने कहा कि वीडियो को देश की दो मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया था, और दोनों ने बिना किसी संदेह के यह निष्कर्ष निकाला कि वीडियो असली था, उसमें किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं की गई थी और वह AI से नहीं बनाया गया था। जिस टेस्ट के लिए भगवंत मान ने खुद कहा था, वही आज उनके अपने ही आचरण के खिलाफ एक आरोप बन गया है। इन नतीजों के आधार पर, सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था ने भगवंत मान को गुरु-द्रोही और पंथ-विरोधी करार दिया और सिख संगत को उनका सामाजिक बहिष्कार करने की सलाह दी। इस अभूतपूर्व निंदा ने दुनिया भर में नानक नाम लेवा संगत की अंतरात्मा को झकझोर दिया है और एक ऐसी नैतिक और राजनीतिक स्थिति पैदा कर दी है जिसका सामना पहले किसी मुख्यमंत्री को नहीं करना पड़ा था।

न्यूज ब्रीफ

मोदी से जॉर्जिया बोलीं- 'हम इंस्टाग्राम पर मोस्ट फेमस कपल हैं'

नई दिल्ली » अंतरराष्ट्रीय मंचों पर वैश्विक नेताओं की गंभीर चर्चाओं के बीच कई बार कुछ ऐसे हल्के-फुल्के पल भी सामने आते हैं, जो सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर लेते हैं। फ्रांस के एवियन-लेस-बैंस में चल रहे जी7 शिखर सम्मेलन में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जहाँ औपचारिक बैठकों से इतर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की मुलाकात इंटरनेट पर छा गई है। शिखर सम्मेलन के दौरान जब सभी वैश्विक नेता ग्रुप फोटो के लिए इकट्ठा हो रहे थे, तभी पीएम नरेंद्र मोदी और जॉर्जिया मेलोनी ने एक-दूसरे का गर्मजोशी से स्वागत किया। हालांकि यह मुलाकात काफी शॉर्ट थी, लेकिन दोनों नेताओं के बीच की पुरानी और चिरपरिचित केमिस्ट्री यहाँ भी साफ नजर आई।

16 महीने बाद मिले पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप, गर्मजोशी से मिलाया हाथ

नई दिल्ली » पीएम मोदी मंगलवार को जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए फ्रांस के एवियन शहर पहुंचे। सम्मेलन के दौरान उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की। करीब 16 महीने बाद दोनों नेताओं की आमने-सामने की मुलाकात हुई है। मुलाकात के दौरान मोदी और ट्रंप ने गर्मजोशी से हाथ मिलाया और संक्षिप्त बातचीत की। दोनों नेताओं के बीच बुधवार को सम्मेलन से इतर एक द्विपक्षीय बैठक भी प्रस्तावित है। भारत को लगातार 8वीं बार जी7 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है।

टूट गई 'उद्धव की सेना'

6 बागी सांसदों ने लोकसभा स्पीकर को सौंपी चिट्ठी

हिन्दुस्तान एकता » चंडीगढ़

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) में आखिरकार फिर से फूट पड़ गई है। पार्टी के छह सांसदों ने बुधवार को दिल्ली में लोकसभा स्पीकर ओमप्रकाश बिरला से मुलाकात की और एक पत्र सौंपकर बताया कि वे एक स्वतंत्र गुट बना रहे हैं। स्पीकर ने आखिरकार इस अलग गुट को मंज़ूरी दे दी है, जिससे 'ऑपरेशन टाइगर' सफल हो गया है। ये सांसद 19 जून को - जो शिवसेना का 60वां स्थापना दिवस है - महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो जाएंगे। अलग गुट बनाने वाले छह सांसदों में संजय जाधव (परभणी), भाऊसाहेब वाकचौरे (शिर्डी), संजय देशमुख (यवतमाल), नागेश पाटिल अष्टिकर (हिंगोली), ओमराजे निंबालकर (धाराशिव) और संजय पाटिल (मुंबई उत्तर-पूर्व) शामिल हैं। इसके साथ ही, शिंदे की शिवसेना के पास अब 13 सांसदों की ताकत हो जाएगी, जिससे वे एनडीए में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन जाएंगे।

ये सभी छह सांसद मंगलवार रात दिल्ली पहुंचे थे ताकि वे एकनाथ शिंदे के साथ बैठक कर सकें। यह बैठक शिंदे के बेटे और सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के दिल्ली स्थित आवास पर हुई। मंत्री प्रताप सरनाइक और सांसदों के अलावा, इस बैठक में 16 लोगों की कानूनी सलाहकार टीम भी मौजूद थी। शिंदे ने बहुत सावधानी बरती है ताकि उन्हें अयोग्य न ठहराया जाए। इस बीच, शिवसेना (UBT) ने बुधवार को अपने सांसदों के लिए एक व्हिप जारी किया, जिसमें उन्हें 'महत्वपूर्ण मुद्दों' पर चर्चा करने के लिए नई दिल्ली में एक बैठक में शामिल होने का निर्देश दिया गया। इस कदम का मकसद बागी नेताओं के खिलाफ अयोग्यता की कार्यवाही का रास्ता साफ करना है। ठाकरे गुट, जिसके पास अब केवल तीन सांसद हैं, ने स्पीकर को पत्र लिखकर मांग की है कि केवल उनकी पार्टी को ही आधिकारिक दर्जा दिया जाए।

लोकसभा सांसद अरविंद सावंत और अनिल देसाई ने राज्यसभा सांसद संजय राउत के साथ बुधवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि कानून के तहत, कोई गुट सिर्फ़ इसलिए किसी दूसरी पार्टी में विलय नहीं कर सकता क्योंकि उसके पास दो-तिहाई सांसदों का समर्थन है। अगर किसी गुट के पास ज़रूरी दो-तिहाई संख्या बल है, तो भी सिर्फ़ मूल पार्टी ही विलय कर सकती है।₹ देसाई ने आगे कहा, ₹यह फ़ैसला स्पीकर को करना होता है। इसलिए, अगर दो-तिहाई समर्थन का दावा करने वाला कोई गुट किसी दूसरी पार्टी में विलय करने के लिए आता है, तो नियमों के तहत उस गुट को मान्यता नहीं दी जा सकती, क्योंकि प्रावधानों के अनुसार केवल मूल पार्टी ही विलय कर सकती है। भले ही छह सांसद हों, इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता।

अमेरिका ने माना 'ईरान के पास परमाणु बम से भी बड़ा हथियार'

नई दिल्ली » पश्चिम एशिया में अब तनाव थमने की गुंजाइश लग रही है। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता को शुक्रवार को अमीलजामा पहनाया जा सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान की ओर से इसकी सार्वजनिक स्वीकारोक्ति आ चुकी है। जहां ईरान का दावा है कि उसकी सभी शर्तें मान ली गई हैं। उसने अपना 14 सूत्रीय एजेंडा सामने रखा, वहीं अमेरिका अभी इस पर ना-ना ही कर रहा है। विश्व के बड़े राजनीतिक हलकों में इसे ईरान की जीत के रूप में ही देखा जा रहा है। होर्मुज पर नियंत्रण से ईरान ने दुनिया को घुटनों पर ला दिया, जिसकी बदौलत अमेरिका को झुकना पड़ा। अब इसे दबे स्वर में अमेरिका ने भी स्वीकार कर लिया है। अमेरिका-ईरान वार्ताओं के बीच अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की एक नई आकलन रिपोर्ट ने वॉशिंगटन की चिंताएं बढ़ा दी हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि युद्ध के बाद ईरान ने ऐसी क्षमता हासिल कर ली है, जिसके बल पर वह किसी भी समय दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है।

> **खुफिया रिपोर्ट का खुलासा; जब चाहे कर सकता इस्तेमाल**

पानीपुरी खाने के बाद 15 बच्चों की तबीयत बिगड़ी

अस्पताल में भर्ती; बेचने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली » तेलंगाना के राजन्ना सिरसिल्ला जिले में कथित फूड पॉइजनिंग का मामला सामने आया है। एक रिहायशी कॉलोनी में पानीपुरी खाने के कुछ ही समय बाद 15 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। घटना के बाद पुलिस ने पानीपुरी बेचने वाले को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। यह घटना राजन्ना सिरसिल्ला जिले के थंगल्लापल्ली मंडल स्थित केसीआर नगर कॉलोनी की है। पुलिस के अनुसार, एक सड़क किनारे पानीपुरी बेचने वाला विक्रेता कॉलोनी में पहुंचा था। बच्चों और उनके परिवार के कुछ सदस्यों ने उससे पानीपुरी खरीदी और खाई। इसके कुछ समय बाद कई बच्चों को अचानक स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें होने लगीं। थंगल्लापल्ली पुलिस के मुताबिक, पानीपुरी खाने के बाद 15 बच्चों में उल्टी और दस्त जैसे लक्षण दिखाई दिए। हालत बिगड़ने पर सभी बच्चों को तुरंत राजन्ना सिरसिल्ला के सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

ओमान में अमेरिकी हमला

2 भारतीय नाविकों के शव वतन लौटे, विदेश मंत्री ने चेताया

नई दिल्ली » ओमान में भारतीय दूतावास ने बुधवार को बताया कि एमटी सेटेबेल्लो जहाज़ पर अमेरिकी हमलों में जान गंवाने वाले दो भारतीय नागरिकों के शव भारत वापस लाए गए हैं। एक्स पर एक पोस्ट में दूतावास ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि शवों को भारत वापस लाया गया है। दूतावास ने एक बयान में कहा कि एमटी सेटेबोलो पर हुए हमले में दुखद रूप से जान गंवाने वाले श्री आदित्य शर्मा और श्री शिवानंद चौरसिया के शवों को भारत वापस लाया गया है। इस

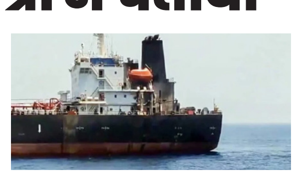

मुश्किल समय में हमारी गहरी संवेदनाएं उनके परिवारों के साथ हैं। पिछले हफ़्तों में बुधवार को एमटी सेटेबेल्लो नाम के जहाज़ पर हमला हुआ, जब अमेरिकी सेना ने उस पर ईरानी बंदरगाहों पर चल रही नौसैनिक नाकेबंदी का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

हरियाणा सीएम का दावा

पंजाब में भी मोदी की डबल-इंजन सरकार की चाहत

नई दिल्ली » हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को कहा कि पंजाब के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल-इंजन सरकार बनाना चाहते हैं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुँच रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोग देख रहे हैं कि हरियाणा में पीएम मोदी के नेतृत्व में कई योजनाएं चल रही हैं। डबल-इंजन सरकार के तहत सीधे लाभ मिल रहे हैं।

अरविंद केजरीवाल का बड़ा आरोप

पेपर लीक अरबों का रैकेट, पैसा ऊपर तक जाता है!

नई दिल्ली » आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को भारत में टेलीग्राम प्लेटफॉर्म तक पहुंच सीमित करने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की और इन उपायों को परीक्षा के पेपर लीक रोकने में बेअसर बताया। X पर एक पोस्ट में, केजरीवाल ने टेलीग्राम पर पाबंदी और परीक्षा के पेपर हवाई मार्ग से पहुँचाने के लिए भारतीय सेना के इस्तेमाल को सरकार के बेतुके कदम बताया। उन्होंने सवाल किया कि सेना के विमानों से पेपर पहुँचाना, टेलीग्राम बंद करना... क्या इन कदमों से पेपर लीक रुकेंगे? बिल्कुल नहीं।

केजरीवाल ने आगे आरोप लगाया कि पेपर लीक का धंधा कई अरब रुपयों का रैकेट है। इसका पैसा सबसे ऊपर तक पहुँचता है। अगर पेपर लीक रुक गए, तो एमएलए/एमपी को खरीदने के लिए पैसा कहाँ से आएगा? नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने 22 जून 2026 तक टेलीग्राम के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। इसमें नीट (यूजी) 2026 की दोबारा परीक्षा और उसके ठीक बाद का समय भी शामिल था। इस रोक का मकसद उस तरीके को रोकना था जिसके तहत राष्ट्रीय परीक्षाओं के दौरान पेपर लीक के झूठे सबूत गढ़े जाते थे। टेलीग्राम के सीईओ पावेल डुरोव ने इस अस्थायी रोक की आलोचना करते हुए कहा कि इससे लाखों आम यूज़र्स को बिना वजह सज़ा मिलती है, जबकि लीक को रोकने में भी यह नाकाम रही है, क्योंकि लीक अब दूसरे ऐप्स पर हो रहे हैं। उन्होंने X पर कहा कि भारत के IT मंत्रालय ने एक हफ़्ते के लिए टेलीग्राम पर रोक लगा दी क्योंकि कुछ यूज़र्स ने परीक्षा के लीक हुए सवाल शेयर किए थे।

मृत्यु या स्थायी दिव्यांगता की स्थिति में मिलती है 1 लाख से 5 लाख रुपये तक सहायता

आर्थिक संकट में परिवारों का सहारा बनी दयालु योजना

कलासो देवी » कैथल

डीसी अपराजिता ने बताया कि दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना (दयालु) अंत्योदय परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना के तहत एक लाख 80 हजार सालाना आय वाले परिवार के सदस्य की मृत्यु या स्थाई दिव्यांगता पर आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत विभिन्न श्रेणी में एक लाख रुपये से लेकर पांच लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जाती है।

डीसी अपराजिता ने बताया कि इस योजना के तहत मृतक व्यक्ति की 6 से 60 वर्ष तक होनी चाहिए। परिवार के द्वारा मृत्यु या स्थाई दिव्यांगता की स्थिति में घटना की तिथि से तीन महीने के भीतर आवेदन करना होगा। आयु अनुसार बात करें तो छह से 12 वर्ष तक की आयु के लिए एक लाख रुपये, 12 से 18 वर्ष तक की आयु के लिए दो लाख रुपये, 18 से 25 वर्ष तक की आयु के लिए तीन लाख रुपये, 25 से 45 वर्ष तक की आयु के लिए 5 लाख रुपये तथा 45 से 60 वर्ष तक की आयु के लिए 3 लाख रुपये आर्थिक सहायता दी जाती है।

आयु वर्ग	सहायता राशि
6 से 12 वर्ष	1,00,000 रुपये
12 से 18 वर्ष	2,00,000 रुपये
18 से 25 वर्ष	3,00,000 रुपये
25 से 45 वर्ष	5,00,000 रुपये
45 से 60 वर्ष	3,00,000 रुपये

ऐसे करें आवेदन

डीसी अपराजिता ने बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए पात्र व्यक्ति की को www.dapsy.finhry.gov.in वेबसाइट पर जाकर आवेदन करना होगा। इसके बाद पीपीपी आईडी नंबर दर्ज करें और गेट ओटीपी पर क्लिक करें। ओटीपी दर्ज करने के बाद उसे सबमिट करें। इसके बाद परिवार के सदस्यों को प्रदर्शित किया जाएगा, फिर लाभार्थी आवश्यक व्यक्तिगत विवरण भरने के बाद फार्म जमा कर सकते हैं।

एजेंटों से सावधान रहें और धोखाधड़ी से बचें

डीसी अपराजिता ने आमजन का आह्वान किया कि ऐसी स्थिति में पात्र व्यक्ति दयालु योजना के तहत आर्थिक सहायता प्राप्त करें। एजेंटों से सावधान रहें और धोखाधड़ी से बचें। अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 0172-2996024 तथा ईमेल dayaluhelpline@gmail.com पर संपर्क कर सकता है।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की 12वीं लघु फिल्म प्रतियोगिता शुरू

मानवाधिकार विषयों पर 3 से 10 मिनट की फिल्में 30 जून 2026 तक भेज सकते हैं प्रतिभागी...

कलासो देवी » कैथल

डीसी अपराजिता ने बताया कि राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी) द्वारा 12वीं लघु फिल्म प्रतियोगिता-2026 का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता का उद्देश्य मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज में संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। उन्होंने बताया कि जिले के युवा, विद्यार्थी और आम नागरिक इस प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं। इच्छुक प्रतिभागी अपनी लघु फिल्में 30 जून 2026 तक Google Drive लिंक के माध्यम से nhrcshortfilm@gmail.com पर भेज सकते हैं। डीसी ने बताया कि देश का कोई भी नागरिक, चाहे वह किसी भी आयु वर्ग का हो, प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पात्र है। प्रतिभागी अपनी फिल्म हिंदी, अंग्रेजी या किसी भी भारतीय भाषा में बना सकते हैं। हालांकि, अंग्रेजी के अलावा अन्य भाषाओं में बनाई गई फिल्मों के लिए अंग्रेजी सब-टाइटल अनिवार्य होंगे।

उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में भेजी जाने वाली फिल्म की अवधि न्यूनतम 3 मिनट और अधिकतम 10 मिनट निर्धारित की गई है। प्रतियोगिता के माध्यम से मानवाधिकार, सामाजिक न्याय, समानता, गरिमा और संवेदनशीलता जैसे विषयों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। डीसी अपराजिता ने बताया कि प्रतियोगिता में विजेताओं को आकर्षक नकद पुरस्कार, ट्रॉफी और प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः 2 लाख रुपये, 1.50 लाख रुपये और 1 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा जूरी की सिफारिश पर अधिकतम चार प्रतिभागियों को विशेष उल्लेख श्रेणी में 50-50 हजार रुपये की पुरस्कार राशि भी दी जा सकती है।

उन्होंने युवाओं और फिल्म निर्माण में रुचि रखने वाले लोगों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया। प्रतियोगिता से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश और आवेदन पत्र राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

सुविचार

"गलतियां प्रमाण हैं कि आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं"

संपादकीय

तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों का एनसीपीआई में विलय

महेन्द्र तिवारी, भूतपूर्व वायुसैनिक, संप्रति राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली में कार्यरत

भारतीय राजनीति के इतिहास में कई ऐसे घटनाक्रम दर्ज हैं जिन्होंने रातोंरात सत्ता के समीकरणों को बदलकर रख दिया है। इसी कड़ी में पश्चिम बंगाल के सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस से 20 सांसदों का अलग होकर नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल होना एक ऐसा राजनीतिक भूचाल है जिसकी गूंज पूरे देश में सुनाई दे रही है। यह घटना महज कुछ नेताओं का पाला बदलना नहीं है बल्कि एक सुस्थापित राजनीतिक दल के भीतर उपजे गहरे असंतोष और महत्वाकांक्षाओं के टकराव का परिणाम है। लंबे समय तक मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बेहद करीब रहीं काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में हुआ यह विभाजन भारतीय लोकतंत्र की उस गतिशीलता को दर्शाता है जहां कोई भी संगठन पूरी तरह अजेय नहीं होता। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही भारतीय राजनीति में पाला बदलने और नई विचारधाराओं के साथ चलने की परंपरा रही है लेकिन जब इतनी बड़ी संख्या में सांसद एक साथ अपनी पुरानी वफादारी छोड़ते हैं तो इसके मायने बहुत गहरे होते हैं। यह घटना इस बात का सटीक उदाहरण है कि कैसे राजनीतिक असंतोष धीरे धीरे पककर एक बड़े विस्फोट का रूप ले लेता है।

इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम की रूपरेखा बहुत ही रणनीतिक तरीके से तैयार की गई। 31 मई 2026 को काकोली घोष दस्तीदार को नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। यह दल कोई बहुत पुरानी या स्थापित ताकत नहीं थी बल्कि इसे 2023 में ही पंजीकृत कराया गया था। अपनी स्थापना के बाद से यह संगठन राजनीतिक परिदृश्य के हाशिये पर ही था लेकिन 20 सांसदों के एकमुश्त विलय ने इसे अचानक राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में ला खड़ा किया है। इसके बाद 14 जून 2026 को इस विलय और नए नेतृत्व की औपचारिक जानकारी भारत के निर्वाचन आयोग को सौंप दी गई। निर्वाचन आयोग को समय पर सूचना देना इस बात का प्रमाण है कि बागी गुट कानूनी और संवैधानिक प्रक्रियाओं का पूरी तरह पालन करते हुए अपने कदम आगे बढ़ा रहा है ताकि उन पर कोई वैधानिक संकट ना आए।

इस विभाजन का सबसे दूरगामी प्रभाव राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन की राजनीति पर पड़ने वाला है। नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल हुए इन 20 सांसदों ने स्पष्ट रूप से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को अपना समर्थन देने की घोषणा की है। संसद के भीतर 20 सांसदों का एक झटके में सत्तारूढ़ गठबंधन के पक्ष में चले जाना विपक्ष की एकजुटता के लिए एक बड़ा आघात है। इससे न केवल संसद में संख्या बल का समीकरण पूरी तरह बदल गया है बल्कि विपक्षी दलों के उस मनोबल को भी गहरी ठेस पहुंची है जो वे आगामी चुनावों के लिए तैयार कर रहे थे। पश्चिम बंगाल जो कि हमेशा से गैर कांग्रेसी और गैर सत्ताधारी गठबंधनों का एक मजबूत गढ़ रहा है वहां से उठी यह बगावत अन्य राज्यों के क्षेत्रीय दलों के लिए भी खतरे की घंटी है। संविधान के जानकारों और राजनीतिक विश्लेषकों की नजर अब दसवीं अनुसूची यानी दल बदल विरोधी कानून पर टिकी है। भारत में निर्वाचित प्रतिनिधियों को मनमर्जी से दल बदलने से रोकने के लिए कड़े नियम बनाए गए हैं। लेकिन जब किसी संगठन के निर्वाचित सदस्यों का एक बड़ा हिस्सा टूटकर अलग होता है और वह आवश्यक वैधानिक अनुपात को पूरा करता है तो सदस्यों की सदस्यता रद्द होने से बच जाती है। यह देखना बहुत दिलचस्प होगा कि निर्वाचन आयोग और संसदीय समितियां इस पूरे मामले का मूल्यांकन किस तरह करती हैं। यदि ये 20 सांसद अपनी सदस्यता बचाने में सफल रहते हैं तो यह काकोली घोष दस्तीदार की एक बहुत बड़ी वैधानिक और रणनीतिक जीत मानी जाएगी। दल बदल कानून का मूल उद्देश्य राजनीतिक अस्थिरता को रोकना था लेकिन समय समय पर नेताओं ने इसके भीतर मौजूद कानूनी रास्तों का उपयोग अपने हित में किया है। अब जब मामला निर्वाचन आयोग के विचाराधीन है तो सभी कानूनी पहलुओं की बहुत ही बारीकी से जांच की जाएगी। इस निर्णय का प्रभाव केवल इन सांसदों के भविष्य पर ही नहीं बल्कि भारत की पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था और भविष्य में होने वाले ऐसे हर विभाजन पर नजीर के रूप में काम करेगा।

तृणमूल कांग्रेस के लिए यह स्थिति गहन आत्मनिरीक्षण की है। दशकों के लंबे और कड़े संघर्ष के बाद जिस दल ने पश्चिम बंगाल में अपना अभेद्य किला बनाया था उस किले में इतनी बड़ी सेंध लगना नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठाता है। दल को अब न केवल अपने बचे हुए नेताओं और कार्यकर्ताओं का भरोसा जीतना होगा बल्कि जमीन पर जनता के बीच भी यह संदेश देना होगा कि यह टूट उनके जनाधार को कमजोर नहीं कर सकती। राज्य का राजनीतिक इतिहास गवाह है कि यहां की जनता ने हमेशा सशक्त और स्पष्ट विचारधारा वाले नेतृत्व को पसंद किया है। वामपंथी दलों के लंबे शासनकाल को समाप्त करके जब ममता बनर्जी सत्ता में आईं थीं तब जनता ने बदलाव के लिए मतदान किया था। अब यही बदलाव की मांग अगर उनके अपने ही संगठन के भीतर से उठ रही है तो इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता।

दूसरी ओर नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती इन सभी 20 सांसदों को एकजुट रखना और राज्य में अपने लिए एक नया और मजबूत मतदाता आधार तैयार करना होगा। पश्चिम बंगाल की जनता जो राजनीतिक रूप से अत्यधिक जागरूक मानी जाती है वह इस पाला बदल को वैचारिक क्रांति मानती है या अवसरवादिता यह आने वाले चुनाव परिणामों में ही पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगा। इसके अतिरिक्त यह घटना क्षेत्रीय दलों की उस कमजोरी को भी उजागर करती है जहां संगठन का पूरा ढांचा किसी एक व्यक्ति के इर्द गिर्द घूमता है। जब दूसरी पंक्ति के नेताओं को आगे बढ़ने और अपनी बात रखने का उचित मंच नहीं मिलता तो इस तरह के विद्रोह जन्म लेते हैं। काकोली घोष दस्तीदार का कदम अन्य राज्यों में ऐसे नेताओं को भी प्रेरित कर सकता है जो अपने संगठनों में खुद को हाशिए पर महसूस कर रहे हैं। राष्ट्रीय दलों के लिए यह एक बहुत बड़ा अवसर होता है जब वे क्षेत्रीय दलों के असंतुष्ट नेताओं को अपने साथ जोड़कर अपने राजनीतिक आधार का विस्तार करते हैं। नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल करने के पीछे भी यही रणनीति काम कर रही है। इससे सत्ताधारी गठबंधन को उस क्षेत्र में भी अपनी जड़ें मजबूत करने का मौका मिलेगा जहां वह अब तक कमजोर माना जाता रहा है। अंततः यह घटनाक्रम केवल एक राज्य तक सीमित रहने वाला नहीं है। यह पूरे देश के राजनीतिक विचारकों को यह सोचने पर मजबूर करता है कि सत्ता के केंद्रीकरण और आंतरिक लोकतंत्र की कमी के क्या परिणाम हो सकते हैं। 2026 का यह वर्ष भारतीय राजनीति में नए गठबंधनों पुराने रिश्तों के टूटने और महत्वाकांक्षाओं की नई उड़ान के लिए याद किया जाएगा। काकोली घोष दस्तीदार के रूप में उभरा नया नेतृत्व और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को मिला उनका समर्थन भविष्य की राजनीति की एक ऐसी पटकथा लिख रहा है जिसका हर पन्ना अनिश्चितताओं से भरा है।

(यह लेखक के निजी विचार है)

मोबाइल की गिरफ्त में बचपन: क्या खो रही है नई पीढ़ी?

आज के डिजिटल युग में मोबाइल फोन केवल एक संचार माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि यह लोगों की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। सुबह आंख खुलने से लेकर रात को सोने तक अधिकांश लोगों का समय मोबाइल स्क्रीन के साथ बीतता है। वयस्कों के साथ-साथ बच्चे भी तेजी से इस तकनीकी दुनिया का हिस्सा बन रहे हैं। कभी खेल के मैदानों में दौड़ने वाले बच्चे आज मोबाइल स्क्रीन पर गेम खेलते दिखाई देते हैं। यह बदलाव केवल मनोरंजन की आदतों तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास को भी प्रभावित कर रहा है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि मोबाइल की बढ़ती पकड़ में नई पीढ़ी आखिर क्या खो रही है?

कुछ वर्ष पहले तक बच्चों का बचपन खुली हवा, दोस्तों के साथ खेलकूद, कहानियों और पारिवारिक संवादों के बीच बीतता था। स्कूल से लौटने के बाद बच्चे मैदानों में क्रिकेट, कबड्डी, फुटबॉल या अन्य खेल खेलते थे। इन गतिविधियों से उनका शारीरिक विकास होता था और वे सहयोग, अनुशासन तथा टीम भावना जैसे गुण सीखते थे। लेकिन आज स्थिति काफी बदल चुकी है। अब बच्चों के हाथों में खिलौनों की जगह स्मार्टफोन और टैबलेट ने ले ली है। मनोरंजन, पढ़ाई और सामाजिक संपर्क का बड़ा हिस्सा मोबाइल तक सीमित हो गया है।

मोबाइल के अत्यधिक उपयोग का सबसे पहला प्रभाव बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। घंटों स्क्रीन के सामने बैठने से उनकी शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती हैं। परिणामस्वरूप मोटापा, आंखों की कमजोरी, गर्दन और पीठ दर्द जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। डॉक्टरों के अनुसार लंबे समय तक मोबाइल देखने से बच्चों की आंखों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे कम उम्र में ही चश्मा लगने की नौबत आ जाती है। इसके अलावा देर रात तक मोबाइल चलाने से नींद की गुणवत्ता प्रभावित होती है, जिसका असर उनकी एकाग्रता और स्वास्थ्य दोनों पर पड़ता है।

मोबाइल का प्रभाव केवल शरीर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर रहा है। लगातार सोशल मीडिया, वीडियो और गेम्स के संपर्क में रहने से बच्चों का ध्यान भटकने लगता है। उनमें धैर्य और एकाग्रता की कमी देखी जा रही है। कई बच्चे मोबाइल के इतने आदी हो जाते हैं कि उनसे फोन कुछ समय के लिए भी दूर कर दिया जाए तो वे चिड़चिड़े और बेचैन हो जाते हैं। यह स्थिति डिजिटल लत का संकेत है, जो भविष्य में गंभीर मानसिक समस्याओं का कारण बन सकती है। सामाजिक विकास पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। पहले बच्चे अपने दोस्तों और परिवार के साथ अधिक समय बिताते थे, जिससे उनमें संवाद कौशल और भावनात्मक समझ विकसित होती थी। आज कई बच्चे वास्तविक दुनिया की तुलना में आभासी दुनिया में अधिक सक्रिय हैं।

योग: स्वस्थ और संतुलित जीवन का वैश्विक मंत्र...

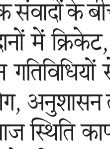

डॉ. अभिनव, असिस्टेंट प्रोफेसर, जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र

योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि एक सम्पूर्ण जीवन पद्धति है। यह व्यक्ति को शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक शांति, भावनात्मक संतुलन और आध्यात्मिक उन्नति प्रदान करता है। नियमित योग अभ्यास से स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक जीवन का निर्माण संभव है। आधुनिक जीवन की भागदौड़, बढ़ते तनाव, मानसिक अवसाद और असंतुलित जीवनशैली के बीच योग मानवता के लिए आशा और स्वास्थ्य का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है।

योग का वैश्विक विस्तार...

वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किए जाने के बाद से योग का वैश्विक विस्तार और अधिक तेजी से हुआ है। वर्तमान समय में विश्व भर में इसे बड़े उत्साह से मनाया जाता है। अब विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, सरकारी संस्थानों, अस्पतालों तथा निजी संगठनों में योग को स्वास्थ्य संवर्धन के प्रभावी साधन के रूप में अपनाया जा रहा है। भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत के रूप में योग आज विश्व समुदाय को स्वस्थ, शांत और संतुलित जीवन का मार्ग दिखा रहा है। यह शरीर, मन और आत्मा के समन्वय की एक वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक प्रक्रिया है। योगासन, प्राणायाम और ध्यान के माध्यम से व्यक्ति न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रहता है, बल्कि मानसिक रूप से भी अधिक सजग, शांत और सकारात्मक बनता है।

योग के विविध रूप और शैलियाँ... समय के साथ योग की विभिन्न विधाएँ विकसित हुई हैं, जो व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक आवश्यकताओं को पूरा करती हैं:

- **पारंपरिक योग के प्रकार:** हठ योग, राज योग, कर्म योग, भक्ति योग, ज्ञान योग, मंत्र योग और कुंडलिनी योग।
- **आधुनिक योग की प्रमुख शैलियाँ:** अष्टांग योग, विन्यास योग, अयंगर योग, बिक्रम योग, पावर योग, यिन योग, रिस्टोरेटिव योग, प्रीनेटल योग, चेयर योग और एरियल योग।
- **प्रमुख योगिक अभ्यास:** प्राणायाम, ध्यान, योग निद्रा, सूर्य नमस्कार और बंध।
- **अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 और हमारा संकल्प:** भारत के लिए यह गर्व का विषय है कि उसकी हजारों वर्ष पुरानी ज्ञान परंपरा आज विश्व कल्याण का माध्यम बनी हुई है।

(यह लेखक के निजी विचार है)

हिंदुस्तान एकता कार्यालय

प्रिय पाठकगण,

यदि आप हिन्दुस्तान एकता में अपनी कोई रचना, लेख, कविता, कहानी, ग़ज़ल, समीक्षा, संस्मरण, जीवनी, बाल स्तंभ व महिला स्तंभ आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो हर महीने की 2, 9, 16, 23 तारीख तक इस ईमेल पर भेजें तथा देश के हर कोने तक अपनी आवाज को बुलंद करें।

ईमेल: hindustanektaliterature@gmail.com

फैंसी हम, एकदम हीरो; सिविक सेंस फिर भी जीरो

आर.जे. रेखा
क्रिस्टल वॉयस आकाशवाणी एफएम गोल्ड 100.1

आज के दौर में लोगों की जीवनशैली तेजी से बदल रही है। ब्रांडेड जूते, महंगे स्मार्टफोन, लग्ज़री कारें, शानदार कैफे और सोशल मीडिया पर आकर्षक तस्वीरें व रील्स—ये सब आधुनिक जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। बाहर से देखने पर हम बेहद आधुनिक, शिक्षित और सभ्य दिखाई देते हैं। हम पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारियों पर लंबी-लंबी बातें भी करते हैं। लेकिन जब व्यवहार की बात आती है, तो अक्सर हमारी असली तस्वीर सामने आ जाती है। दुर्भाग्य से, हमारे समाज में सिविक सेंस अर्थात नागरिक शिष्टाचार की भारी कमी दिखाई देती है।

सिविक सेंस का अर्थ है सार्वजनिक स्थानों, नियमों और अन्य नागरिकों के प्रति जिम्मेदार और संवेदनशील व्यवहार करना। यह किसी कानून के डर से नहीं, बल्कि अपने कर्तव्य और संस्कार की भावना से पैदा होता है। लेकिन अक्सर देखने में आता है कि लोग सार्वजनिक स्थानों को अपनी निजी संपत्ति की तरह नहीं, बल्कि ऐसी जगह समझते हैं जहाँ कुछ भी किया जा सकता है।

सड़क पर चलते समय कई लोग खाने-पीने का रैपर, प्लास्टिक की बोतल या टिश्यू सीधे सड़क पर फेंक देते हैं, जबकि डस्टबिन कुछ ही कदम दूर होता है। ट्रैफिक सिग्नल पर लाल बत्ती होने के बावजूद लोग नियमों का उल्लंघन करते हैं। ज़ेब्रा क्रॉसिंग, जो पैदल यात्रियों के लिए बनाई जाती है, उस पर वाहन खड़े कर दिए जाते हैं। हॉर्न का अनावश्यक उपयोग, एम्बुलेंस को रास्ता न देना और फुटपाथ पर बाइक चलाना भी आम दृश्य बन चुके हैं। इन छोटी-छोटी लापरवाहियों का असर पूरे समाज पर पड़ता है।

समस्या केवल सड़कों तक सीमित नहीं है। आवासीय सोसाइटियों और सार्वजनिक स्थानों पर भी सिविक सेंस की कमी स्पष्ट दिखाई देती है। लोग सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाते हैं, लिफ्ट और दीवारों को गंदा करते हैं, पार्कों में कूड़ा फैलाते हैं और तेज आवाज में संगीत बजाकर दूसरों की शांति भंग करते हैं। कई लोग अपने पालतू जानवरों के बाद सफाई करना भी जरूरी नहीं समझते। यह व्यवहार न केवल असुविधा पैदा करता है, बल्कि समाज में असंवेदनशीलता को भी बढ़ावा देता है।

दिलचस्प बात यह है कि यही लोग जब विदेश जाते हैं, तो नियमों का पूरी तरह पालन करते हैं। वे लाइन में खड़े रहते हैं, सड़क पर कचरा नहीं फेंकते और सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता बनाए रखते हैं। इसका कारण केवल कानून का डर नहीं, बल्कि यह समझ भी है कि नियमों का पालन करना आवश्यक है। लेकिन अपने देश में अक्सर ₹चलता है₹ की मानसिकता हावी हो जाती है, जो सामाजिक अनुशासन को कमजोर करती है।

सोशल मीडिया पर भी विरोधाभास साफ दिखाई देता है। लोग स्वच्छता, पर्यावरण और देशभक्ति पर प्रेरणादायक पोस्ट साझा करते हैं, लेकिन व्यवहार में उन मूल्यों का पालन नहीं करते। सार्वजनिक शौचालय का सही उपयोग न करना, कूड़ा इधर-उधर फेंकना और सफाई कर्मचारियों के प्रति सम्मान न दिखाना इसी मानसिकता का उदाहरण है। सच्ची सामाजिक जिम्मेदारी केवल पोस्ट और नारों से नहीं, बल्कि रोजमर्रा के व्यवहार से सिद्ध होती है।

सिविक सेंस की कमी का नुकसान अंततः पूरे समाज को उठाना पड़ता है। सड़कों पर फैला कचरा नालियों को जाम करता है, जिससे जलभराव की समस्या बढ़ती है। ट्रैफिक नियमों की अनदेखी दुर्घटनाओं और जाम का कारण बनती है। ध्वनि प्रदूषण लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि वे बड़ों को नियम तोड़ते और सार्वजनिक स्थानों को गंदा करते देखेंगे, तो वे भी वही आदतें अपनाएँगे।

इस समस्या का समाधान कठिन नहीं है। हमें केवल कुछ छोटी-छोटी आदतों को अपनाने की आवश्यकता है। कचरा हमेशा डस्टबिन में डालना, लाइन में लगना, ट्रैफिक नियमों का पालन करना, अनावश्यक हॉर्न से बचना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना और हर व्यक्ति के साथ सम्मानजनक व्यवहार करना—ये साधारण कदम समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

अंततः, किसी व्यक्ति का स्तर उसके कपड़ों, गाड़ी या मोबाइल फोन से नहीं, बल्कि उसके व्यवहार से तय होता है। आधुनिक और समृद्ध होना अच्छी बात है, लेकिन उसके साथ जिम्मेदार नागरिक बनना भी उतना ही आवश्यक है। यदि हम वास्तव में एक स्वच्छ, सुरक्षित और विकसित भारत चाहते हैं, तो हमें अपने दैनिक व्यवहार में सिविक सेंस को शामिल करना होगा। याद रखिए, देश वैसा ही बनता है जैसा उसके नागरिक उसे बनाते हैं। इसलिए फैंसी होने के साथ-साथ सभ्य और जिम्मेदार बनना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

(यह लेखिका के निजी विचार है)

फीफा विश्व कप का इतिहास रोमांच और वैश्विक आकर्षण

आशिस पोद्दार
पत्रकार

यदि दुनिया के सबसे लोकप्रिय खेल आयोजन का नाम एक शब्द में बताना हो, तो वह निस्संदेह फीफा विश्व कप है। हर चार साल में आयोजित होने वाली यह प्रतियोगिता केवल एक फुटबॉल टूर्नामेंट नहीं है; यह भावना, सपने, राष्ट्रीय गौरव और वैश्विक एकता का एक अनूठा उत्सव है। विश्व कप के दौरान करोड़ों लोग टेलीविजन स्क्रीन पर नजरें गड़ाए रखते हैं, अपनी पसंदीदा टीम की जर्सी पहनकर स्टेडियम के स्टैंड में मौजूद रहते हैं या हाथों में झंडे लिए सड़कों पर उतर आते हैं। भाषा, धर्म, संस्कृति और भौगोलिक दूरियों को पार कर दुनिया तब एक विशाल परिवार का रूप ले लेती है।

अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल की नियामक संस्था फीफा (फीफा) की स्थापना 1904 में फ्रांस के पेरिस में हुई थी। विश्व कप के आयोजन के सपने को फीफा के तत्कालीन अध्यक्ष जूल्स रिमेट ने हकीकत में बदला। उन्हीं के प्रयासों से 1930 में उरुग्वे में पहला फीफा विश्व कप आयोजित किया गया था। केवल 13 देशों की भागीदारी के साथ शुरू हुए उस टूर्नामेंट के फाइनल में अर्जेंटीना को हराकर मेजबान देश उरुग्वे पहला विश्व चैंपियन बना। वह छोटी सी शुरुआत आज दुनिया के सबसे पसंदीदा खेल उत्सव में बदल चुकी है।

विश्व कप पर विश्व युद्ध का साया भी पड़ा। द्वितीय विश्व युद्ध के कारण 1942 और 1946 में विश्व कप का आयोजन नहीं हो सका। हालांकि, युद्ध के बाद की दुनिया में फुटबॉल लोगों के मनोरंजन और एकता का प्रतीक बन गया। धीरे-धीरे विश्व कप ने अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा, राष्ट्रीय पहचान और सांस्कृतिक ताकत के प्रमुख प्रतीकों में से एक के रूप में खुद को स्थापित कर लिया।

विश्व कप के इतिहास में सबसे सफल टीम ब्राजील है। पांच बार खिताब जीतकर वे फुटबॉल की दुनिया में एक अद्वितीय ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। जर्मनी और इटली चार-चार बार विश्व चैंपियन बन चुके हैं। अर्जेंटीना ने तीन बार, जबकि फ्रांस और उरुग्वे ने दो-दो बार विश्व कप जीता है। अब तक केवल आठ देशों को विश्व कप ट्रॉफी जीतने का गौरव प्राप्त हुआ है—उरुग्वे, इटली, जर्मनी, ब्राजील, इंग्लैंड, अर्जेंटीना, फ्रांस और स्पेन।

विश्व कप का इतिहास मूल रूप से दिग्गजों की कहानियों का संग्रह है। पेले का बचपन का चमत्कार, डिएगो माराडोना के पैरों का जादुई स्पर्श, जिनेदिन जिदान का कलात्मक फुटबॉल, रोनाल्डो नाज़ारियो की शानदार वापसी, रोनाल्डिन्हो की रचनात्मकता, मिरोस्लाव क्लोस का गोल रिकॉर्ड, आंद्रेस इनिएस्ता का फाइनल में सुनहरा पल, किलियन एम्बाप्पे का विस्फोटक उभार या लियोनेल मेस्सी का पूरा होता सपना—इन सबने मिलकर विश्व कप को फुटबॉल का एक महाकाव्य बना दिया है।

1986 का मेक्सिको विश्व कप इतिहास के सबसे चर्चित आयोजनों में से एक है। क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ माराडोना के विवादास्पद हैंड ऑफ गॉड गोल ने जहां विवाद खड़ा किया, वहीं उसी मैच में मिडफील्ड से अकेले अपने दम पर किए गए उनके गोल को बाद में फीफा प्रशंसकों द्वारा ₹गोल ऑफ द सेंचुरी (शताब्दी का सर्वश्रेष्ठ गोल) के रूप में मान्यता दी गई। महज कुछ मिनटों के अंतराल में विवाद और विस्मय का ऐसा संगम विश्व कप के इतिहास में विरल है।

1950 ब्राजील विश्व कप का फाइनल मैच आज भी फुटबॉल इतिहास के सबसे बड़े उलटफेरों में से एक माना जाता है। रियो डी जेनेरियो के माराकाना स्टेडियम में करीब दो लाख दर्शकों के सामने मेजबान ब्राजील को हराकर उरुग्वे विश्व चैंपियन बना था। वह हार आज भी ब्राजीलियाई फुटबॉल संस्कृति में एक गहरे घाव की तरह याद की जाती है।

विश्व कप अविश्वसनीय आंकड़ों का खजाना है। जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोस विश्व कप के इतिहास में सर्वाधिक 16 गोल करके सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर हैं। सबसे ज्यादा पांच विश्व कप खेलने का रिकॉर्ड मेक्सिको के एंटोनियो कार्बाजल, जर्मनी के लोथर मथायस, इटली के जियानलुइगी बुफ़ोन, मेक्सिको के राफेल मार्केज़ और अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी के नाम है। साथ ही, विश्व कप में सबसे ज्यादा मैच खेलने का रिकॉर्ड भी फिलहाल मेस्सी के ही नाम है।

022 में कतर में आयोजित विश्व कप आधुनिक फुटबॉल इतिहास में एक विशेष स्थान रखता है। कतर मध्य पूर्व का पहला देश बना जिसने इस प्रतियोगिता की मेजबानी की। फाइनल में अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच हुए रोमांचक मुकाबले को कई लोग सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ विश्व कप फाइनल मानते हैं। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय के बाद मैच 3-3 की बराबरी पर रहने के बाद अर्जेंटीना ने पेनल्टी शूटआउट में जीत हासिल की। एक लंबे इंतजार को खत्म करते हुए लियोनेल मेस्सी ने अपनी प्रतिष्ठित विश्व कप ट्रॉफी हासिल की।

विश्व कप का प्रभाव मैदान से बाहर भी व्यापक है। यह टूर्नामेंट मेजबान देशों में पर्यटन बढ़ाने, बुनियादी ढांचे के विकास, रोजगार सृजन और वैश्विक पहचान मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

(यह लेखक के निजी विचार है)

आंगनवाड़ी प्रणाली का बदलता स्वरूप और भारत का भविष्य

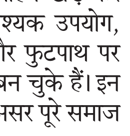

डॉ. प्रियंका सौरभ,
लेखिका

किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके प्राकृतिक संसाधनों या भौतिक संपदा में नहीं, बल्कि उसकी मानव पूंजी में निहित होती है। मानव पूंजी का निर्माण जन्म के बाद नहीं, बल्कि जीवन के प्रारंभिक वर्षों से ही आरम्भ हो जाता है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि बच्चे के मस्तिष्क का लगभग 85 प्रतिशत विकास छह वर्ष की आयु तक हो जाता है। यही वह अवस्था है जब पोषण, स्वास्थ्य, भाषा, सामाजिक संपर्क और सीखने के अनुभव उसके संपूर्ण जीवन की दिशा निर्धारित करते हैं। इसलिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ECCE) को आज मानव विकास और आर्थिक प्रगति का सबसे महत्वपूर्ण आधार माना जाता है।

भारत में लंबे समय तक आँगनवाड़ी व्यवस्था का प्रमुख उद्देश्य बच्चों को कुपोषण, बीमारी और मृत्यु के जोखिम से बचाना था। एकीकृत बाल विकास सेवा (ICDS) कार्यक्रम के अंतर्गत स्थापित आँगनवाड़ी केंद्रों ने लाखों बच्चों और माताओं को पोषण, टीकाकरण तथा स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान कर बाल मृत्यु दर और कुपोषण को कम करने में उल्लेखनीय योगदान दिया। किंतु बदलते समय और नई वैज्ञानिक समझ ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल बच्चों को जीवित रखना पर्याप्त नहीं है। यदि किसी बच्चे को पोषण तो मिल जाए, लेकिन सीखने, सोचने, संवाद करने और अपनी रचनात्मकता विकसित करने का अवसर न मिले, तो उसका संज्ञानात्मक विकास अधूरा रह जाता है। यही कारण है कि आज "सर्वाइवल" से "थ्राइविंग" अर्थात केवल जीवित रहने से समग्र विकास की ओर बढ़ने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस सोच को नई दिशा प्रदान की है। नीति ने तीन से आठ वर्ष की आयु को शिक्षा का आधारभूत चरण माना है और यह स्वीकार किया है कि प्रारंभिक वर्षों में प्राप्त अनुभव आगे की शिक्षा और व्यक्तित्व निर्माण को गहराई से प्रभावित करते हैं। इसी दृष्टिकोण के तहत आँगनवाड़ी प्रणाली को केवल पोषण वितरण केंद्र के रूप में नहीं, बल्कि प्रारंभिक शिक्षण और बाल विकास के केंद्र के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF-FS 2022) ने खेल-आधारित, गतिविधि-आधारित और अनुभवात्मक शिक्षण पर बल देकर बच्चों के भाषा विकास, तार्किक क्षमता, रचनात्मकता और सामाजिक कौशल को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। हाल के वर्षों में सरकार ने सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 जैसी पहलों के माध्यम से आंगनवाड़ी केंद्रों को आधुनिक स्वरूप देने का प्रयास किया है। इन केंद्रों में बेहतर भवन, स्मार्ट शिक्षण सामग्री, डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधन और बच्चों के विकास की सतत निगरानी पर बल दिया जा रहा है। "पोषण ट्रैकर" जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बच्चों की स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जानकारी का रिकॉर्ड रखा जा रहा है, जिससे सेवा वितरण अधिक पारदर्शी और प्रभावी बन रहा है। साथ ही आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बाल मनोविज्ञान, खेल-आधारित शिक्षण और प्रारंभिक शिक्षा के आधुनिक तरीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वे बच्चों के संज्ञानात्मक विकास में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकें। यह परिवर्तन केवल सामाजिक कल्याण का विषय नहीं है, बल्कि इसके दूरगामी आर्थिक परिणाम भी हैं। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि प्रारंभिक बाल्यावस्था में किया गया निवेश सबसे अधिक प्रतिफल देने वाला सार्वजनिक निवेश होता है। जो बच्चे प्रारंभिक वर्षों में बेहतर पोषण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करते हैं, उनकी सीखने की क्षमता अधिक विकसित होती है, वे विद्यालय में बेहतर प्रदर्शन करते हैं और भविष्य में अधिक उत्पादक नागरिक बनते हैं। इस प्रकार आँगनवाड़ी प्रणाली में सुधार सीधे तौर पर मानव पूंजी निर्माण को मजबूत करता है, जो किसी भी अर्थव्यवस्था के विकास का मूल आधार है।

संज्ञानात्मक विकास पर आधारित ECCE व्यवस्था भविष्य में कार्यबल की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाएगी। बेहतर सोचने, समस्या समाधान करने और नवाचार करने की क्षमता वाले नागरिक देश की उत्पादकता में वृद्धि करते हैं। आज की वैश्विक ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में केवल शारीरिक श्रम पर्याप्त नहीं है, बल्कि बौद्धिक क्षमता और कौशल ही आर्थिक प्रतिस्पर्धा का आधार बनते जा रहे हैं। ऐसे में प्रारंभिक बाल्यावस्था में निवेश भारत को अधिक सक्षम और प्रतिस्पर्धी कार्यबल प्रदान कर सकता है।

इसके अतिरिक्त, गुणवत्तापूर्ण आँगनवाड़ी सेवाएँ महिलाओं की श्रम शक्ति भागीदारी को भी बढ़ावा दे सकती हैं। जब परिवारों को बच्चों की सुरक्षित देखभाल और प्रारंभिक शिक्षा की व्यवस्था उपलब्ध होती है, तो महिलाएँ रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमिता में अधिक सक्रिय रूप से भाग ले सकती हैं।

(यह लेखिका के निजी विचार है)

न्यूज ब्रीफ

भवानीपुर में हार नहीं मानी सुवेंदु अधिकारी के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचीं ममता

नई दिल्ली » तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने कलकत्ता हाई कोर्ट में भवानीपुर सीट पर विधानसभा चुनाव के नतीजों को चुनौती देते हुए याचिका दायर की है; इस सीट पर वह शुभेंदु अधिकारी से हार गई थीं। विधायक रिताब्रता बनर्जी ने 58 विधायकों के समर्थन से राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता के तौर पर अपना दावा पेश किया; इसके बाद, सांसद काकोली घोष ने 19 बागी सांसदों के समर्थन से अलग होने और बीजेपी के नेतृत्व वाले नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) का समर्थन करने की इच्छा खुलकर ज़ाहिर की।

राजनाथ के घर आधी रात तक बीजेपी-आरएसएस नेताओं ने किया मंथन

नई दिल्ली » भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शीर्ष नेतृत्व के बीच हुई लंबी बैठक के बाद अब पार्टी संगठन और सरकार दोनों स्तरों पर बड़े बदलावों की चर्चा तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर हुई करीब चार घंटे लंबी बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन तथा संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी अरुण कुमार और शिव प्रकाश शामिल रहे। यह बैठक देर रात तक चली और इसके बाद से यह माना जा रहा है कि भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा कभी भी की जा सकती है।

ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होंगे, न आज-न कल: नेतन्याहू

एजेंसी » नई दिल्ली

नेतन्याहू ने कहा, ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होंगे, न आज और न कल। उन्होंने कहा, लोग मुझसे पूछते हैं कि हमने क्या हासिल किया है? मेरा जवाब है कि हमने अपने ऊपर मंडरा रहे विनाश के तत्काल खतरे को टाल दिया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमने इजराइल राष्ट्र को पूर्ण विनाश के खतरे से बचाया है। प्रधानमंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है जब उन्हें विपक्ष के साथ-साथ सत्तारूढ़ गठबंधन के सहयोगियों की भी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

पूर्व प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने नेतन्याहू पर बोला हमला...

पूर्व प्रधानमंत्री और प्रधानमंत्री पद के प्रमुख दावेदार नफ्ताली बेनेट ने इससे पहले संवाददाताओं से कहा कि नेतन्याहू सरकार का कार्यकाल गृहयुद्ध जैसी स्थिति से शुरू हुआ, सात अक्टूबर के नरसंहार की घटनाओं के बीच आगे बढ़ा और

अब ईरान के मुद्दे पर ऐतिहासिक विफलता के साथ समाप्त हो रहा है। बेनेट ने इजराइल की सुरक्षा बहाल करने का वादा करते हुए कहा कि यदि वह सत्ता में होते तो वे कूटनीतिक स्तर सहित हर मामले में अलग तरीके से काम करते। उन्होंने कहा कि वह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपने संबंधों का इस्तेमाल केवल इजराइल के राष्ट्रीय हितों के लिए करते।

अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ मतभेद की अटकलों पर क्या बोले नेतन्याहू

अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ मतभेद की अटकलों पर नेतन्याहू ने कहा, ऐसे अवसर आते हैं जब राष्ट्रपति ट्रंप और मेरे विचार पूरी तरह एक जैसे नहीं होते। इजराइल के सुरक्षा हितों की समझदारी से रक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने दक्षिणी लेबनान से सेना हटाने की संभावना को भी खारिज कर दिया। कई विश्लेषकों का मानना है कि यह मुद्दा प्रस्तावित समझौते में बाधा बन सकता है, जिसमें सभी प्रकार की शत्रुतापूर्ण गतिविधियां समाप्त करने का प्रावधान है। नेतन्याहू ने कहा, हमने इजराइल के चारों ओर गहरे सुरक्षा क्षेत्र स्थापित किए हैं। हमने यह गाजा, लेबनान और सीरिया में किया है, जहां हमने असद की सेना के सभी हथियारों को नष्ट कर दिया। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि अपने देश की सुरक्षा के लिए हम इन सुरक्षा क्षेत्रों में तब तक बने रहेंगे, जब तक इसकी आवश्यकता होगी।

राजौरी में एलओसी के पास बड़ा हादसा, ग्रेनेड ब्लास्ट में जेसीओ समेत 4 जवान घायल

नई दिल्ली » जम्मू-कश्मीर के राजौरी ज़िले में लाइन ऑफ़ कंट्रोल (एलओसी) के पास गश्त के दौरान एक दुखद घटना हुई, जिसमें ग्रेनेड के अचानक फटने से भारतीय सेना के चार जवान घायल हो गए। खबरों के मुताबिक, यह घटना नौशेरा सेक्टर में तब हुई जब एलओसी पर तैनात कुमाऊं रेजिमेंट यूनिट के जवान नियमित गश्त कर रहे थे। ऑपरेशन के दौरान, कथित तौर पर एक मल्टी-मोड ग्रेनेड गलती से फट गया, जिससे एक जूनियर कमीशंड ऑफ़िसर और तीन जवान घायल हो गए।

सूत्रों के मुताबिक, यह धमाका तब हुआ जब सैनिक संवेदनशील बॉर्डर इलाके में रेगुलर निगरानी और सुरक्षा ड्यूटी के तहत आगे के इलाके से गुज़र रहे थे। अचानक हुए इस धमाके में चार जवान घायल हो गए, जिसके बाद मौके पर मौजूद दूसरे सैनिकों ने तुरंत इमरजेंसी कार्रवाई की। घायल सैनिकों को तुरंत घटनास्थल से निकालकर पास के मेडिकल सेंटर ले जाया गया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है।

किसी भी देश द्वारा दिया गया 33वां वैश्विक पुरस्कार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिला स्लोवाकिया का सर्वोच्च सम्मान

एजेंसी » नई दिल्ली

'द ऑर्डर ऑफ़ द व्हाइट डबल क्रॉस (फर्स्ट क्लास)' स्लोवाक गणराज्य का सर्वोच्च राजकीय सम्मान है। यह सम्मान स्लोवाकिया के राष्ट्रपति द्वारा विदेशी गणमान्य व्यक्तियों को दिया जाता है। यह सम्मान स्लोवाकिया के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों के विकास में असाधारण योगदान, और साथ ही देश के विदेश नीति संबंधी हितों व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी प्रतिष्ठा के लिए उत्कृष्ट समर्थन के लिए प्रदान किया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मान प्राप्त करने के बाद सोशल मीडिया पर कहा, ब्रातिस्लावा में 'द ऑर्डर ऑफ द व्हाइट डबल क्रॉस (प्रथम श्रेणी)' से सम्मानित होकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। इस सम्मान के लिए मैं स्लोवाकिया की जनता और सरकार का आभार व्यक्त करता हूं। यह सम्मान भारत के 140 करोड़ लोगों का है। मैं इसे भारत और स्लोवाकिया के बीच स्थायी मित्रता को समर्पित करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी अपनी एक सप्ताह की यूरोप यात्रा के तहत ब्रातिस्लावा पहुंचे हैं।

प्रियंका गांधी बोलीं-व्यवस्थागत सुधार की है तुरंत जरूरत

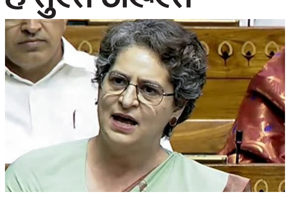

नई दिल्ली » कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने बार-बार परीक्षा के पेपर लीक होने से प्रभावित छात्रों के प्रति एकजुटता जताई और सार्वजनिक पदों पर बैठे लोगों से अपील की कि वे छात्रों और उनके परिवारों की मुश्किलों को समझें। 16 जून को इस मुद्दे पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि हम सभी, जिनकी सार्वजनिक ज़िम्मेदारी है, हमें छात्रों के साथ खड़ा होना चाहिए और यह समझना चाहिए कि वे किस तरह की मुश्किलों और तकलीफ़ों से गुज़रे हैं। हर पेपर लीक हो जाता है। उनके माता-पिता उनके लिए कर्ज़ ले रहे हैं।

अमेरिकी वायुसेना का B-52 बॉम्बर टेकऑफ के दौरान क्रैश, सभी 8 क्रू मेंबर्स की मौत

एजेंसी » नई दिल्ली

रॉयटर्स के अनुसार वायुसेना के कर्नल जेम्स हेस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया- आठ इंजनों वाला यह जेट-संचालित विमान, जो परमाणु और पारंपरिक बम ले जाने में सक्षम है, एक रूटीन टेस्ट मिशन पर था। हादसे के तुरंत बाद दुर्घटनास्थल से काले धुएं का एक विशाल गुबार आसमान में उठता देखा गया, जो कई मील दूर से दिखाई दे रहा था। कर्नल हेस ने बताया कि यह दुर्घटना इतनी भीषण थी कि इसमें किसी का भी बचना नामुमकिन था।

विमान का निर्माण करने वाली एयरोस्पेस कंपनी 'बोइंग' (Boeing) ने पुष्टि की है कि मारे गए लोगों में दो उसके कर्मचारी भी थे। फिलहाल वायुसेना ने पीड़ितों के नामों का खुलासा नहीं किया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस को अमेरिकी रणनीतिक बॉम्बर फोर्स की रीढ़ माना जाता है। यह लंबी दूरी का विमान 70,000 पाउंड (लगभग 31,750 किलोग्राम) तक के हथियार और क्लस्टर बम, गाइडेड मिसाइलें और परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। यह बिना ईंधन भरे 8,000 मील से अधिक की दूरी तय कर सकता है।

140 करोड़ भारतीयों के लिए गर्व का क्षण: योगी

नई दिल्ली » प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सोमवार को स्लोवाकिया के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ द व्हाइट डबल क्रॉस (फर्स्ट क्लास)' से सम्मानित किया गया। स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी ने देश की राजधानी ब्रातिस्लावा में आयोजित एक भव्य समारोह में पीएम मोदी को यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे पूरे देश के लिए एक बड़ा सम्मान बताया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का दावा

ईरान परमाणु हथियार न रखने पर हुआ सहमत

एजेंसी » नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया, ईरान कभी भी परमाणु हथियार न बनाने पर सहमत हो गया है! साथ ही, यह खबर कि अमेरिका ईरान को 300 मिलियन डॉलर दे रहा है, डेमोक्रेट्स द्वारा फैलाई गई फेक न्यूज है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाज – जिनमें से कई तेल से लदे हैं – गुजरने लगे हैं।

यह घटनाक्रम अमेरिका और ईरान के बीच 107 दिन तक चले युद्ध को खत्म करने के लिए डिजिटल रूप से शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने के एक दिन बाद हुआ है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में अमेरिका-ईरान शांति समझौते पर आमने-सामने हस्ताक्षर करने के लिए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

होर्मुज जलडमरूमध्य हमेशा के लिए शुल्क मुक्त रहेगा: ट्रंप

'द न्यूयॉर्क टाइम्स' को दिए एक साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ हुए समझौते से आखिरकार यह पक्का हो जाएगा कि होर्मुज जलडमरूमध्य हमेशा के लिए शुल्क मुक्त रहेगा। अखबार की खबर के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप और वेंस, दोनों ने ईरान के मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेरी गलीबाफ के साथ कार्यढांचा समझौते पर डिजिटल रूप से हस्ताक्षर किए हैं।

स्पोर्ट्स ब्रीफ

चोट से वापसी कर रहे नीरज चोपड़ा को कॉमनवेल्थ गेम्स टीम में मिली जगह

नई दिल्ली » दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का रविवार को राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम में चयन किया गया। यह चयन हालांकि आगामी प्रतियोगिताओं में भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के क्वालीफाइंग मानकों को पूरा करने पर निर्भर रहेगा। महासंघ की चयन समिति की अंतिम बैठक के बाद घोषित 32 सदस्यीय टीम में गुरिंदरवीर सिंह (100 मी.), अनिमेष कुजुर (200 मी.), गुलवीर सिंह (5,000 और 10,000 मी.), तेजस्विन शंकर (डेकाथलॉन और ऊंची कूद), पारुल चौधरी (3,000 मी.स्टीपलचेज) और पैदल चाल एथलीट प्रियंका भी शामिल हैं।

पीवी सिंधु का ऑस्ट्रेलियन ओपन सफर खत्म, यामागुची ने सेमीफाइनल में हराया

नई दिल्ली » भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु की 2026 सीज़न में अपना पहला बड़ा ख़िताब जीतने की कोशिश जारी रही, लेकिन शनिवार को सिडनी में ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के सेमीफ़ाइनल में उन्हें मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अकाने यामागुची से हार का सामना करना पड़ा। Olympics.com के अनुसार, BWF सुपर 500 टूर्नामेंट में 43 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया के 10वें नंबर के खिलाड़ी को दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी यामागुची से 22-20, 21-12 से हार का सामना करना पड़ा।

लियोनेल मेसी का वर्ल्ड कप में महा-धमाका

हैट्रिक के साथ तोड़े रोनाल्डो-मिरोस्लाव क्लोज के रिकॉर्ड

एजेंसी » नई दिल्ली

मंगलवार को अल्जीरिया के खिलाफ अर्जेंटीना की 3-0 से जीत के साथ अपने 2026 वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करते हुए, 38 साल और 357 दिन के लियोनेल मेसी FIFA वर्ल्ड कप में हैट्रिक लगाने वाले सबसे उम्रदराज़ खिलाड़ी बन गए। फॉक्स स्पोर्ट्स के अनुसार, मेसी ने रूस में हुए 2018 फीफा वर्ल्ड कप में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बनाए पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया; उस समय 33 साल के रोनाल्डो ने स्पेन के खिलाफ हैट्रिक लगाई थी। अर्जेंटीना के लिए अपने 200वें मैच में मेसी ने तीन अलग-अलग तरह के गोल किए: 17वें मिनट में रोड्रिगो डी पॉल की तेज़ फ्री किक के बाद दूर से एक ज़बरदस्त शॉट; मैक एलिस्टर के शॉट के रिबाउंड पर बॉक्स के अंदर से एक क्लोज़-रेंज फ़िनिश; और 76वें मिनट में खुद शुरू किए गए शानदार रन के बाद एक बेहतरीन कर्लिंग फ़िनिश। इस हैट्रिक के साथ मेसी FIFA वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज़्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोज़ (16 गोल) के बराबर आ गए। वह ब्राज़ील के रोनाल्डो (15 गोल) से आगे निकल गए और जर्मनी के गर्ड मुलर और फ़्रांस के किलियन एम्बाप्पे (दोनों के 14-14 गोल) के बराबर पहुँच गए।

एम्बाप्पे ने उसी दिन सेनेगल के खिलाफ फ्रांस की 3-1 की जीत में दो गोल करके मुलर के रिकॉर्ड की बराबरी की थी।

यह उपलब्धि मेसी के पहले वर्ल्ड कप गोल के ठीक 20 साल बाद मिली—जो उन्होंने 2006 वर्ल्ड कप में सर्बिया के खिलाफ अर्जेंटीना की 6-0 से जीत के दौरान किया था—और यह उनके करियर का एक ऐतिहासिक पड़ाव बन गया। लियोनेल मेस्सी ने विश्व कप में पहली हैट्रिक लगाने के साथ मिरोस्लाव क्लोसे के सर्वाधिक 16 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली जिसके दम पर गत चैम्पियन अर्जेंटीना ने ग्रुप चरण के पहले मैच में अल्जीरिया को 3 . 0 से हरा दिया। अब मेस्सी के 16 विश्व कप गोल हो गए हैं जिससे वह जर्मनी के क्लोसे के साथ सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में बराबरी पर आ गए हैं। इंटर मियामी के अपने साथी रौद्रिगो डि पॉल के पास के दम पर मेस्सी ने शुरूआती मिनटों में पहला गोल दागा।

विनिसियस जूनियर के शानदार गोल ने बचाई ब्राजील की लाज

नई दिल्ली » फुटबॉल विश्व कप 2026 में ब्राजील ने अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ नहीं, बल्कि संघर्षपूर्ण बराबरी के साथ की है। न्यू जर्सी में खेले गए ग्रुप सी के मुकाबले में मोरक्को ने ब्राजील को कड़ी टक्कर दी और मैच 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। ब्राजील को हार से बचाने का काम उसके स्टार खिलाड़ी विनीसियस जूनियर ने किया, जिन्होंने शानदार गोल करके टीम को एक महत्वपूर्ण अंक दिलाया।

गौरतलब है कि ब्राजील इस बार अपने रिकॉर्ड छठे विश्व खिताब की तलाश में मैदान पर उतरा है। पिछली बार उसने वर्ष 2002 में विश्व कप जीता था। तब से लेकर अब तक ब्राजील कई बार दावेदार बना, लेकिन ट्रॉफी तक नहीं पहुंच सका। ऐसे में इस बार टीम की जिम्मेदारी अनुभवी इतालवी प्रशिक्षक कार्लो एंचेलोटी के कंधों पर है। मौजूद जानकारी के अनुसार कार्लो एंचेलोटी फुटबॉल विश्व कप में ब्राजील का नेतृत्व करने वाले पहले विदेशी प्रशिक्षक हैं। ब्राजील फुटबॉल संघ ने उन्हें टीम को फिर से विश्व विजेता बनाने की उम्मीद के साथ नियुक्त किया है।

फीफा वर्ल्ड कप: ईरान का गंभीर आरोप

यूएस ने टीम को मैच के तुरंत बाद देश छोड़ने को कहा!

एजेंसी » नई दिल्ली

फीफा वर्ल्ड कप के अपने पहले मैच में न्यूज़ीलैंड के साथ 2-2 से ड्रॉ खेलने के बाद, अमेरिकी अधिकारियों ने ईरान की टीम को तुरंत लॉस एंजिल्स छोड़ने का आदेश दिया। इसके बाद ईरान ने फीफा पर भेदभावपूर्ण व्यवहार का आरोप लगाया है। टीम के हेड कोच अमीर घालेनोई ने अपनी टीम को टूर्नामेंट की सबसे ज्यादा परेशान की गई टीम बताया है। ईरान के कप्तान मेहदी तारेमी, मिडफील्डर मोहम्मद मोहेबी और कोच घालेनोई ने बार-बार आ रही लॉजिस्टिकल चुनौतियों पर अपनी नाराज़गी ज़ाहिर की, जिनकी वजह से टीम की तैयारियों में रुकावट आई। कोच के मुताबिक, सोमवार रात के मैच के बाद टीम को रिकवरी के लिए लॉस एंजिल्स में रुकने के बजाय मेक्सिको के तिजुआना में अपने ट्रेनिंग बेस पर लौटने का निर्देश दिया गया था।

घलेनोई ने कहा कि आज मैच के बाद उन्होंने हमसे कहा, 'आपको तुरंत निकलना होगा।' जबकि आज हमारे लिए रिकवरी बहुत ज़रूरी है। कोच ने इस फैसले पर सवाल उठाए और कहा कि टूर्नामेंट की तैयारी के

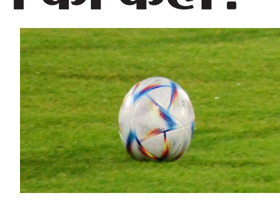

दौरान ईरान को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि टीम की योजना मैच से दो दिन पहले लॉस एंजिल्स पहुँचने, मैच के बाद रात वहीं रुकने और अगले दिन मेक्सिको लौटने की थी। घलेनोई ने कहा कि मुझे लगता है कि पूरे वर्ल्ड कप में हमारी टीम के साथ सबसे ज्यादा नाइंसाफी हुई है। हमारी फेडरेशन यहां नहीं है, हमारी मीडिया यहां नहीं है, हमारा मैनेजमेंट यहां नहीं है।

वीजा और यात्रा से जुड़ी दिक्कतों की वजह से ईरान की तैयारियों में मुश्किलें आईं। अमेरिकी इमिग्रेशन प्रक्रियाओं को लेकर चिंताओं के कारण टीम को टक्सन, एरिज़ोना में ट्रेनिंग बेस बनाने का प्लान छोड़ना पड़ा और इसके बजाय तिजुआना में कैंप लगाना पड़ा। ये चिंताएं तब सही साबित हुईं जब खबरों के मुताबिक ईरान के सपोर्ट स्टाफ के कई सदस्यों को अमेरिका में घुसने के लिए वीज़ा नहीं मिला।

एफआईएच नेशंस कप: दीपिका के दम पर भारत का कमबैक, यूएसए को 3-2 से रौंदा

एजेंसी » नई दिल्ली

दीपिका के दो गोल की मदद से भारतीय महिला हॉकी टीम ने सोमवार को यहां एफआईएच नेशंस कप के पूल ए के अपने पहले मैच में शुरू में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए अमेरिका पर 3-2 से जीत हासिल की। भारत की तरफ से दीपिका के दो गोल के अलावा नवनीत कौर ने भी एक गोल किया।

अमेरिका की ओर से एशले सेसा और मैडलीन ज़िमर ने गोल किए। नेशंस कप की विजेता टीम अगले सत्र में प्रो लीग में खेलेगी। भारत पिछले सत्र में इससे बाहर हो गया था। अमेरिका ने शानदार शुरुआत की और एशले ने चौथे

मिनट में ही मैदानी गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिला दी। इसके महज तीन मिनट बाद अमेरिका ने अपनी बढ़त दोगुनी कर दी जब मैडलीन जिमर (सातवें) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत पर शुरुआती दबाव बना दिया। दो गोल से पिछड़ने के बाद भारत ने आक्रामक रवैया अपनाया और धीरे-धीरे मैच पर अपनी पकड़ बना दी। भारत को आक्रामक अंदाज में खेलने का फायदा दूसरे क्वार्टर के शुरू में मिला जब ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ दीपिका (17वें) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अंतर को कम किया। भारतीय टीम ने अपना दबदबा बनाए रखा और उसने दूसरे क्वार्टर में फिर से एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। दीपिका (24वें) एक बार फिर आगे बढ़ीं और उन्होंने फिर से पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। भारत ने दबाव बनाए रखा और हाफ टाइम से पहले एक और गोल करके मैच का रुख पूरी तरह से पलट दिया।

मनु भाकर को ओलिंपिक मेडल दिलाने वाले महागुरु जसपाल राणा का आकस्मिक निधन

नई दिल्ली » भारत के मशहूर निशानेबाजी कोच और एशियाई खेलों के पूर्व स्वर्ण पदक विजेता जसपाल राणा का निधन हो गया है। वह 49 वर्ष के थे। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव के अनुसार राणा ने बृहस्पतिवार की रात को दिल्ली के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। राणा जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप से भारतीय दल की वापसी की उड़ान के दौरान बीमार पड़ गए थे और उन्हें एक चिकित्सा प्रक्रिया से गुजरना पड़ा था। नयी दिल्ली में उतरते ही उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया और उन्हें स्टेंट डाले गए थे।

लुईस हैमिल्टन की बार्सिलोना में धमाकेदार वापसी, फेरारी को दिलाई सीजन की पहली जीत

एजेंसी » नई दिल्ली

स्पेन के बार्सिलोना में मिली शानदार जीत ने न केवल हैमिल्टन की वापसी को मजबूत किया है, बल्कि खिताबी मुकाबले को भी नया मोड़ दे दिया है। सात बार के विश्व चैंपियन लुईस हैमिल्टन ने 2025 सत्र से पहले मर्सिडीज छोड़कर फेरारी का दामन थामा था।

हालांकि उनका पहला सत्र काफी निराशाजनक रहा था। वह पूरे वर्ष एक भी बार शीर्ष तीन में जगह नहीं बना सके थे और फेरारी के साथ उनकी शुरुआत उम्मीदों से काफी कमजोर मानी गई थी। लेकिन 2026 में हैमिल्टन ने शानदार वापसी करते हुए

आलोचकों को जवाब देना शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि बार्सिलोना में मिली जीत से पहले हैमिल्टन मोनाको और कनाडा में दूसरे स्थान पर रहे थे, जबकि चीन में भी उन्होंने शीर्ष तीन में जगह बनाई थी। लगातार अच्छे प्रदर्शन ने यह संकेत पहले ही दे दिया था कि अनुभवी चालक एक बार फिर अपने सर्वश्रेष्ठ रूप में लौट रहे हैं।

बार्सिलोना दौड़ में हैमिल्टन ने शुरुआत से ही आक्रामक रणनीति अपनाई। वह शुरुआती पंक्ति में जॉर्ज रसेल के साथ खड़े थे और उनकी टीम ने तीन बार रुककर टायर बदलने की रणनीति बनाई। मौजूद जानकारी के अनुसार दौड़ के अंतिम चरण में आभासी सुरक्षा व्यवस्था लागू होने से हैमिल्टन को अतिरिक्त फायदा मिला। इसी दौरान उन्होंने अंतिम बार टायर बदले और मर्सिडीज के दोनों चालकों से आगे निकल गए। इसके बाद उन्होंने किसी को मौका नहीं दिया और फेरारी को सत्र की पहली जीत दिला दी।

छलका दर्द

करियर की शुरुआत में 20 लाख ठगे गए! हिंदी को लेकर मेरा मजाक उड़ाया गया

इस बात में कोई दोहराए नहीं है मुंबई की चमक-दमक के पीछे ठगी, ताने और संघर्ष की लंबी कहानी न हो। बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही ने हाल ही में खुलासा किया है कि जिंदगी भी ऐसी ही रही, जहां काम दिलाने का वादा कर 20 लाख रुपए ठग लिए गए और कई बार तो उन्हें बिना फीस के गाने करने पड़े। मेरा मजाक भी काफी उड़ाया गया है। चलिए आपको बताते हैं नोरा फतेही के करियर के कुछ दिलचस्प बातें।

» **छिपकर डांस करती थीं नोरा, नहीं ली ट्रेनिंग, मां ने डाटा...** असल में नोरा फतेही का जन्म एक ऐसे रूढ़िवादी मुस्लिम परिवार में हुआ। घर में डांस को लेकर कड़ा विरोध था, लेकिन उनके अंदर बचपन से ही डांस जुनून था। एक्ट्रेस ने कभी प्रोफेशनल डांस ट्रेनिंग नहीं ली। उन्होंने अलग-अलग डांस स्टाइल्स वीडियो देखकर और लगातार प्रैक्टिस से सीखती रहीं। बचपन में छिपकर ही डांस किया करती थीं। जब उनकी मां ने एक बार डांस करते देख लिया, तो उन्हें डांट पड़ी और यहां तक उनकी मां ने पिटाई भी की।

» **5,000 रुपए लेकर मुंबई आई थी...** साल 2014 में नोरा फतेही ने बॉलीवुड में करियर की शुरुआत की। वह जब मुंबई आईं तो अपने साथ सिर्फ 5000 रुपये लेकर आईं। नोरा फतही ने बताया कि- मुझे नहीं पता था कि 1000 डॉलर क्या होते हैं। मैं एक अपार्टमेंट में 9 लड़कियों के साथ रहती थी। वहां हमेशा यही सोचती थी कि मैं किस मुसीबत में फंस गई हूं।

» **हिंदी नहीं आने पर मजाक उड़ाया गया...** नोरा ने आगे बताया कि जब वे भारत आई तो सबसे बड़ी चुनौती भाषा थी। हिंदी न जानने की वजह से ऑडिशन में उन्हें बार-बार रिजेक्ट मिला। कई बार लोग उनके उच्चारण और एक्सेंट का मजाक उड़ाते थे। लेकिन मैंने कभी भी हार नहीं मानी और लगातार खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करती रहीं।

» **काम दिलाने का वादा कर 20 लाख रुपए ठग लिए...** अक्सर बॉलीवुड में काम देने के लिए कई लोग ठगी का काम करते हैं। ऐसा ही नोरा फतेही के साथ हुआ। नोरा कनाडा से भारत आई थी, तब उन्हें एक एजेंसी ने काम दिलाने का वादा किया। उनके कहने पर मैंने 20 लाख रुपए दे दिए। लेकिन बाद में उनका व्यवहार बदल गया। जब मैंने एजेंसी छोड़ने और पैसे वापस मांगने की बात कही, तो उन्होंने साफ कह दिया कि पैसे नहीं मिलेंगे। उस दौरान मैंने 20 लाख रुपये गंवा दिए थे। ये पैसे में विज्ञापन में काम करके कमाए थे।

संचिता उगाले आत्महत्या: एक्ट्रेस के दादा ने कहा- 'उसका कोई गॉडफादर नहीं था'

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से एक बेहद चौंकाने वाली और दुखद खबर सामने आई है। 'कुमकुम भाग्य' और 'वागले की दुनिया' जैसे लोकप्रिय टीवी शोज का

हिस्सा रहीं एक्ट्रेस संचिता उगाले ने 14 जून को कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। इस झकझोर देने वाली घटना के बाद एक्ट्रेस के परिवार में मातम पसरा हुआ है। अब इस दुखद हादसे पर संचिता के दादा गोपीनाथ ने मीडिया के सामने आकर अपनी चुप्पी तोड़ी है और कई अहम बातें साझा की हैं। भावुक होते हुए गोपीनाथ ने याद किया कि संचिता ने टीवी इंडस्ट्री में अपनी जगह खुद बनाई थी और उनका कोई गॉडफादर नहीं था।

टोटल कमाई देख लगेगा झटका

बॉक्स ऑफिस पर स्लो हुई 'मैं वापस आऊंगा'

इम्तियाज अली की मोस्ट अवेटेड रोमांटिक ड्रामा 'मैं वापस आऊंगा' 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स से मिली जुली प्रतिक्रिया मिली। इसमें दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, वेदांग रैना और शरवरी जैसे स्टार्स की टोली है। फिल्म टिकट खिड़की पर अच्छी रफ्तार बनाए हुए है। आइये जानते हैं इसने अब तक बॉक्स ऑफिस पर कितना कमाया।

» **'मैं वापस आऊंगा' ने चौथे दिन कमाए इतने करोड़...** 'मैं वापस आऊंगा' ने 2,139 शो में 1.25 करोड़ का नेट कलेक्शन किया। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म की सोमवार की कमाई उसके ओपनिंग डे की कमाई से ज्यादा रही। जिसके बाद इसका टोटल कलेक्शन 6.75 करोड़ है। फिल्म ने अपने ओपनिंग डे पर 1.15 करोड़ कमाए थे और वीकेंड पर इसकी कमाई में कुछ बढ़ोतरी हुई। इसने शनिवार को 1.85 करोड़ और रविवार को 2.50 करोड़ कमाए थे।

» **मैं वापस आऊंगा के बारे में...** यह फिल्म एक 95 साल के बुजुर्ग की कहानी है, जिन्हें पाकिस्तान जाने की बेताब कोशिश के दौरान स्ट्रोक आ जाता है। जब बुजुर्ग को कभी-कभी पुरानी बातें याद आती हैं, तो उनका पोता बंटवारे से पहले के समय की बिखरी हुई यादों को जोड़ने की कोशिश करता है। मूवी सरहद बनने के लंबे समय बाद भी इंसानों पर पड़े असर को समझने की कोशिश करती है। बॉक्स ऑफ़िस पर इस फिल्म को कई दूसरी मूवीज से कड़ी टक्कर मिल रही है। जिसमें राम चरण की 'पेड्डी', कंगना रनौत की 'भारत भाग्य विधाता', विक्रम भट्ट की 'हॉन्टेड 3D: इकोज ऑफ द पास्ट' और स्टीवन स्पीलबर्ग की डायरेक्ट की हुई हॉलीवुड ड्रामा 'डिस्क्लोजर डे' है।

पति वीर साहू से कोर्ट में जंग

सोशल मीडिया पर सपना चौधरी का तंज- मैं बदला नहीं लेती

हरियाणवी डांसर और सिंगर सपना चौधरी ने पति वीर साहू के साथ चल रहे कोर्ट केस के बीच सोशल मीडिया पर वापसी कर ली है। दिल्ली की कोर्ट से अंतरिम राहत मिलने के ठीक बाद, सपना ने इंस्टाग्राम पर हरे रंग की साड़ी में डांस करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया है। हालांकि सपना ने अपनी पर्सनल लाइफ के विवाद पर सीधे कुछ नहीं कहा, लेकिन उन्होंने वीडियो के कैप्शन में नेगेटिविटी फैलाने वालों को करारा जवाब दिया है।

» **सपना चौधरी ने पोस्ट लिख कर कसा तंज...** सपना ने अपने डांस वीडियो के साथ लिखा, 'सुनो सखी कुछ तो लोग कहेंगे, वरना बेचारे जिंदा कैसे रहेंगे। उनका काम है कहना, तुम बस बहरी बन जाओ और अपने चेहरे पर मुस्कान बनाए रखो।' इसके बाद रविवार को एक और पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, दूसरों की कमियां निकालकर, अपने किरदार को अच्छा बनाना... आजकल ट्रेंड में है.. लेकिन मैं बदला लेने में यकीन नहीं करती.... कहीं का किया, कहीं तो भुगतोगे ही। सपना के ये पोस्ट इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

» **दिल्ली कोर्ट से सपना चौधरी को मिली बड़ी राहत...** सपना चौधरी ने अपने पति वीर साहू पर घरेलू हिंसा के बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि शादी के बाद उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान किया गया। सपना ने कोर्ट में सबूत के तौर पर अपनी चोटों की तस्वीरें और ऑडियो रिकॉर्डिंग भी पेश कीं। इसके बाद दिल्ली की द्वारका महिला अदालत ने सपना को सुरक्षा देते हुए वीर साहू के खिलाफ सख्त आदेश जारी किए हैं।

क्योंकि सास भी कभी बहू थी-2

रियो को मिला पार्थ की मेहनत का श्रेय, वैष्णवी संग हुई सगाई

सीरियल में आज देखने को मिलता है कि एक क्लाइंट मीटिंग के दौरान क्लाइंट्स रियो की जमकर तारीफ करते हैं। यह देखकर पार्थ हैरान रह जाता है, क्योंकि जिस काम और डिजाइन्स की तारीफ हो रही होती है, उन्हें तैयार करने में उसकी मेहनत लगी होती है। अपनी मेहनत का श्रेय किसी और को मिलता देख पार्थ को काफी दुख होता है। ऐसे में वैष्णवी उसका हौसला बढ़ाती है और उसका पूरा साथ देती है। वहीं बाद में पार्थ और वैष्णवी की सगाई की रस्म भी होती है, जिससे पूरे परिवार में खुशी का माहौल बन जाता है।

» **पार्थ और वैष्णवी ने एक-दूसरे को पहनाई सगाई की अंगूठी...** इस बड़े झटके के बाद घर का माहौल पूरी तरह बदल जाता है और चारों तरफ खुशियां छा जाती हैं। पार्थ और वैष्णवी सबके सामने एक-दूसरे को अंगूठी पहनाते हैं और अपने प्यार को आगे बढ़ाने का वादा करते हैं। इन दोनों को इस तरह खुश देखकर परिवार के सभी लोग बहुत खुश होते हैं। इस खास और सुंदर पल को हमेशा के लिए याद रखने के लिए परिवार के सभी सदस्य एक साथ खड़े होते हैं और एक प्यारी सी ग्रुप फोटो खिंचवाते हैं।

» **क्या पार्थ को विरानी बिजनेस में मिलेगा उसका असली हक...** घर में सगाई की खुशियां जरूर हैं, लेकिन पार्थ के मन में एक सवाल अब भी बना हुआ है। बिजनेस में उसकी मेहनत और योगदान को अब तक वह पहचान नहीं मिली है, जिसका वह हकदार है।

बॉलीवुड न्यूज

मां बनीं सुरभि ज्योति, घर आई नन्ही परी, सेलेब्स और फैंस दे रहे बधाईयां

» टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस सुरभि ज्योति के फैंस के लिए एक बहुत बड़ी खुशखबरी है। सुरभि ज्योति मां बन गई हैं। उनके और पति सुमित सूरी के घर एक प्यारी सी नन्ही परी का आगमन हुआ है। सुरभि पिछले काफी समय से अपने प्रेग्नेंसी पीरियड को एन्जॉय कर रही थीं और लगातार खूबसूरत फोटोशूट्स के जरिए फैंस के साथ जुड़ी हुई थीं। अब एक्ट्रेस ने खुद सोशल मीडिया पर अपनी इस 'गुड न्यूज' को शेयर कर फैंस को झूमने का मौका दे दिया है। सुरभि ज्योति ने 13 जून को बेटी को जन्म दिया और इसके ठीक एक दिन बाद यानी आज फैंस के साथ यह खुशखबरी शेयर की। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक बेहद क्यूट नोट शेयर किया है, जिस पर लिखा है, 'बेटी हुई है' और साथ में 13 जून 2026 की तारीख लिखी है। इस पोस्ट के आखिर में 'लव सुरभि और सुमित' लिखा है। फोटो के कैप्शन में सुरभि ने लिखा, हमारी बेटी आ गई है। हमारा दिल प्यार और आभार से भरा हुआ है। सुरभि का यह पोस्ट सामने आते ही सोशल मीडिया पर बधाइयों की बाढ़ आ गई है। फैंस से लेकर तमाम टीवी सेलेब्स कपल को माता-पिता बनने की शुभकामनाएं दे रहे हैं। एक्ट्रेस किश्वर मर्चेंट ने पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा, यिप्पी..... बधाई हो।

अहान-अनीत के मैचिंग टैटू ने मचाया बवाल, वायरल फोटोज का क्या है इशारा?

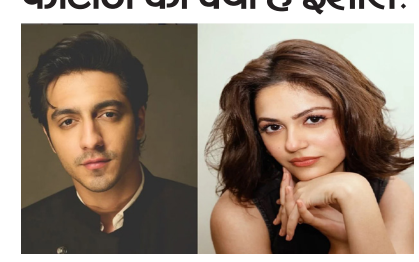

» पिछले साल अहान पांडे और अनीत पड्डा ने रोमांटिक ब्लॉकबस्टर फिल्म 'सैयारा' से दर्शकों का दिल जीत लिया था। अब दोनों स्टार अपनी फिल्म की वजह से नहीं किसी और वजह से चर्चाओं में बनें है। इस बार दोनों ही एक्टर अपने गर्दन के पिछले हिस्से पर बने हुए तारा टैटू के कारण सुर्खियों में आ गए हैं। गौरतलब है कि एक्टर अहान पांडे और एक्ट्रेस अनीत पड्डा अपनी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को लेकर आज भी ऑफस्क्रीन पर चर्चाओं का विषय बने हुए हैं। साल 2025 में YRF के बैनर तले अहान और अनीत की सैयारा फिल्म सिनेमाघरों में जबरदस्त हिट हुई थी। जिसके बाद दोनों की डेटिंग अफवाहें काफी देखने को मिली। हालिए में अनीत-अहान ने एक जैसा मैचिंग टैटू ने सोशल मीडिया पर अफवाहों का हवाला देते नजर आए। इस टैटू ने फैंस का ध्यान अपनी तरफ खींचा हैं। बता दें कि, दोनों ही एक्टर्स के गर्दन पर 'उत्तर तारा' का एक जैसा टैटू बना हुआ है। माना जाता है कि, उत्तर तारा सही रास्ता दिखाने वाली शक्ति और प्रेरणा का प्रतीक होता है। असल में यह जीवन में एक पक्के लक्ष्य, स्थिरता और वफादारी को भी दर्शाता है। अब फैंस ने रिएक्शन दे रहे हैं कि दोनों का यह मैचिंग टैटू उनके खास रिश्ते को बयां करता है। मोहित सूरी सुपरहिट रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म सैयारा को दर्शकों ने काफी पसंद किया।

दीपके के बेहोश होने पर शेखर सुमन ने ली चुटकी: मेरे प्रिय कॉकरोचों, पलट मत जाना...

» मशहूर एक्टर और होस्ट शेखर सुमन अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपने टॉक शो 'शेखर टुनाइट' के लेटेस्ट एपिसोड में अपनी ही पसंदीदा 'कॉकरोच जनता पार्टी' और उनके मुखिया अभिजीत दीपके को आड़े हाथों ले लिया। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे CJP के कार्यकर्ताओं को मजेदार अंदाज में रोस्ट करते हुए शेखर सुमन ने उन्हें 'पलटने' से बचने की सलाह दी। इसी बहाने उन्होंने अरविंद केजरीवाल से लेकर पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार पर भी तीखे तंज कसे। शेखर सुमन ने ये सारी बातें अपने यूट्यूब चैनल के शो 'शेखर टुनाइट' के 5वें एपिसोड में कहीं, जो 12 जून को रिलीज हुआ है। इस एपिसोड में बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर मनोज बाजपेयी मेहमान बनकर पहुंचे थे। शो के दौरान शेखर सुमन ने जंतर-मंतर पर चल रहे CJP के आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि देश की जनता में उम्मीदें तो जगा दी हैं, लेकिन वहां से 'छू-मंतर' मत हो जाना। अब इस शो के मजेदार क्लिप्स सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं। शेखर सुमन ने जंतर-मंतर के इतिहास का हवाला देते हुए आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल पर तीखा कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, जंतर-मंतर का पलटने का पुराना इतिहास रहा है। देखिए ना, केजरीवाल जी यहीं से कहकर गए थे कि राजनीति में नहीं जाऊंगा, फिर पलट गए। बोले- सरकारी मकान और गाड़ी नहीं लूंगा, फिर पलट गए।

अल्फा ट्रेलर रिव्यू: आलिया-शर्वरी के जोरदार एक्शन से फैंस खुश

बॉलीवुड की मोस्ट अवेटेड फिल्म अल्फा का ट्रेलर आखिरकार ड्रॉप हो गया है और यह पूरी तरह से हॉलीवुड लेवल के एक्शन से भरपूर है। ट्रेलर में, आलिया भट्ट का अपने ही पिता (बॉबी देओल) के खिलाफ बगावत करना, शरवरी वाघ के साथ उनकी एनिमी-टू-फ्रेंड वाली वाइब और सबसे लास्ट में ऋतिक रोशन की शॉकिंग एंट्री ने इंटरनेट हिला दिया है। हालांकि, ट्रेलर को लेकर सोशल मीडिया दो हिस्सों में बंट गया है, जहां कुछ लोग इसके धांसू विजुअल्स की तारीफ कर रहे हैं, वहीं कुछ लोग इसे पुरानी फिल्मों की कॉपी बताकर कह रहे हैं कि इसमें कुछ भी नया नहीं है।

» **क्या है ट्रेलर की कहानी**? ट्रेलर की शुरुआत एक बच्चे से होती है जो कांच की दीवार के पीछे है, और फतेह (बॉबी देओल) उसका नाम सीता रखता है। इसके बाद सुपर फास्ट और स्टाइलिश विजुअल्स में दिखाया जाता है कि कैसे फतेह उसे एक डेंजरस असेसिन बनने की ट्रेनिंग देता है, जो एक इशारे पर किसी को भी खत्म कर सकती है। इसमें रामायण की कहानी को एक मॉडर्न और डार्क ट्विस्ट दिया गया है। आलिया भट्ट का वॉयसओवर बैकग्राउंड में कहता है कि एक बार एक राक्षस (फतेह) ने एक राजकुमारी (सीता) का किडनैप किया था, लेकिन इस बार उसे बचाने कोई राम नहीं आएगा, वह खुद ही लंका को जलाकर राख कर देगी।

» **एक्शन, सस्पेंस और ऋतिक का कैमियो...** ट्रेलर में नेक्स्ट लेवल के एक्शन सीक्वेंस हैं और बीच में शरवरी की धमाकेदार एंट्री होती है। आलिया भट्ट के साथ हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट के सीन्स में शरवरी काफी इम्प्रेसिव लग रही हैं। वहीं अनिल कपूर दोनों एजेंट्स को गाइड करने वाले मेंटॉर के रोल में नजर आ रहे हैं। बॉबी देओल का कैरेक्टर फतेह एक एक्स-स्पाय है जो देश का गद्दार बन चुका है और बदले की आग में जल रहा है। ट्रेलर के एकदम एंड में सिर्फ ऋतिक रोशन की हरी आंखें दिखाई देती हैं, जो आलिया और शरवरी की मदद करने पहुंचे हैं। वह यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की फिल्म वॉर और वॉर 2 वाले अपने आइकॉनिक कैरेक्टर मेजर कबीर धालीवाल के कैमियो रोल में नजर आ रहे हैं।

» **कब रिलीज होगी फिल्म**? अल्फा की रिलीज डेट पहले कई बार बदली जा चुकी है। पहले यह पिछले साल 25 दिसंबर को आने वाली थी, फिर इसे इस साल अप्रैल के लिए री-शेड्यूल किया गया, और अब फाइनली यह फिल्म 3 जुलाई को थिएटर्स में रिलीज हो रही है। YRF के ऑफिशियल सोर्सेज के मुताबिक, फिल्म के हैवी VFX वर्क की वजह से इसकी रिलीज में इतनी देरी हुई थी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कलासो देवी के द्वारा सूचना प्रिंटर, 33 एस मॉडल टाउन मार्केट हिसार, हरियाणा से मुद्रित करवाकर बाला जी सेनेटरी स्टोर, करनाल रोड, डिफेंस कॉलोनी, गली नंबर-8, रिलायंस स्मार्ट पॉइंट के पास, कैथल से प्रकाशित। संपादक कलासो देवी। किसी भी विवाद के लिए न्याय क्षेत्र कैथल होगा। RNI No. HRHIN/26/A1127, मोबाइल नंबर: 9499422208, Email: Info@hindustanekta.com